Event "Nature Needs Your Help" not even this we also organized seminar and Cultural Programme to convey massage about importance of Nature which was held on 4 PM 12-07-2022 at The Indian Society of International Law (ISIL) Auditorium, Bhagwan Das Road, opp. Supreme Court of India .

Program Starts With Lighting of the Lamp



Ganesh Vandana & Sankh Waadan





Seminar & Welcoming of Guests











Cultural Programme











In today's scenario we must advertise our enthusiasm in public and try to make a mass change of thinking . advertise to join our hands and make this event Sucessfull. Through Hording & Banners









Faithful Commitment to Conservation of Nature Chhathi Maiya Foundatio

"Nature Needs Your Help" Program in Print Media



के फिना, नितार को लिई चोला की जगस्त गरीह हूँ, ठेहुना छुड़े यह का प्रयाः हे इसको यो जिल्ला व्याल्य आयोजधे ने की, इस कार्यक्रम का आयोजन छडी मैंया पर्यडडेका के चेमापीन मंदीर दुवे ने िया था, छउ को अंग्रल्युव स्थरूप हेने को रहने केन प्राईडान को यह पाल अनुवे हैं, छुठी मैच नर्तनान मयम को मधी मधायाओं की मन्द्रणन है, इस सार्यप्रम का उदादन भारतीय जनता फर्दी के पूर्व उताल्यवा

रवाम जामू ने सिम, आग्ने उद्यादन

धापण में स्थाध जाजू ने कहा कि इमें

प्रसृति को पूजा, प्रसृति को मंतत

करने होगी आज इमारे प्रमा जो कुछ

भी है जन्ती हमें दिया है, पुछन अलिंध के तौर पर एनजेएमनी के

बहम चेमापैन महोत उनम्बाव थे,

प्रस्ति को पूजा ईबर को पूजा के

सगान है- मालेत उत्तव्याय छत्रे पैय

वये पूजा उनके प्रकृति प्रेम क्ये टलांती

है। जब ईशर खुट ही प्रदृति की पुत्र

022

'छठ' प्रकृति पूजा का सबसे बड़ा त्यौहार है और प्रकृति की पूजा ईश्वर की पूजा के समान है -

भोगने पड़ते हैं। प्रभु बी ग्रम जैन्स बन्दरं धरिष नेतू तूलन जी न ने कहा

कि इमें अपने भौति बीतम को तत

बनान पहिए। उन्हेंने बतान कि जब प्रमुख प्रायल्ग का आसा से सेल है

तो उसके महे अंधन खुन जाते हैं।

जन के जन्मपत के खेडकर पहुत की

परुद शेख है से यह किर संपन में

बंग जात है। जार्द गरपाला राखे है,

नार्व स्त्रीत राखे है। मुझेन कोई बार के

उराज्यत्व प्रदीप राम कर्डा मेरिक

प्रमुखित को लेकर मामा हो और पर

त्यांता प्रस्ती पूना का तो त्यांतर है.

रिष्ण क्योति जाती गांग्य के प्रवत

म्ताने रिखलआनं: में छड़े मैया पाईडान को कार्यप्रम प्रकृति को

इन्हरे जमरत है को मगहन करते हुए

कहा कि इस सह के कार्यसम अस्ति विश्व के बरने कोने में हो और इनका

नेतृभ क्षेत्रे भेष पाईझन को साँह

হুৰ মতিৰ আয়, প্লৰ কৰি জান ম্বীকা

जानक पटन ते अन्तरन आए कहा कि ता

अपना परित जीतम की तगर कमान सातिए

जन्मेन जनावा जैस जाव पाल्या पायाल्या

बह जाताय ता ताल हो ता त्याक प्रथा वर्षत

म्हेन जन्म तः भव म मम्हानम् स्त

र्ग्य प्रसर मात्र का प्रसर जना है में पर

वित्र बन्दा व पन्दा जात है। जात प्रत्यानय

रतन ते पान प्रतीत प्रतीत हे . इस आगमत

to all visit annual chaffing faith

ता गामा पर देश के तका ते ता र क

thend, it that that will work an itset

at the and paste at that they

जीवत प्रतियोगित्रा में की ताल निवार 1 देख

अन्तरण पर सिद्धम को जिन्द्र स्वरण की

जा जामको सामेफ हुई जान जिसका उन्हें

रतने जनन्त्र में मणप पटना

नः जन्मक

भग गांद नहीं करना जिसक जनने की कम मात मा प्रावह के लिसाना की जनगण भी

10 110

108 15

17 387

1000

711-11 -

105 11

ar an

可以小

Carlos -----

1000

171

फिलने मलक है।

of femily and the straining without जर्ह तिहरी जगगणनिका परिषट (जनसंख्यमा) व र इंटियन स्प्रीटवृष्ठ फांग इंग्रानेशरून ना ना नित में लख the service on cost to train to sum were a truth to crist an त्यक समित्र से सत्य जीतीय में मन्द्र स errte fugure

in sidily at the rates mean that is the selecte of man the a faith i warth wath comm ्राथण ध कल फि तम प्रमुहि को पुता पुरुष से याग करने होगे । उन्होंने संज छ। जाग तथा पाछ जी कुछ के है प्रस्ति व तम दिल्ला ते.

का अवसा या के प्रताससम न कहा के देखें मेपा की पतने आप म

तो द्वसा । का पात कर गते ता त्यं यो त्य आग मधारण में स्वाय हेके झाल. जिल

0 0 10.786 Inwrider 157 BER (IN

UNIT ALL TO COMPLET (1988 2417 PER

का प्रालय आतालग के कारण प्रवर्तन का वीवन करने में लगा हुआ है जिसके आने वाले सामय में परिणाय बहुत से प्रसन्द the presence of the second life लांग प्रस्तरने य करीं सुरना पर रहा है के कार कार आ स्ताल के केंद्र क्या तान क सराज गांधी भी प्रवन्ते पर जनवाहर जहता an and a constrained an array the far taking the first time and them private at an antiput at set at interne are those that the band it प्रतान कहा की परि हम इन्द्र का धान ह ना तम उपल चरित्र मुतामा मेम्स मान जनामा सेम. जीवन में सबस बहा गय जात जाताल है। 'उन्होंन कहा कि चल्य



करत है से हों भी इस ओर गंभीरत

में स्वत देना लेगा। आप का पनुष्य

अज्ञानत के कारण प्रकृति का दोटन

करने में सभा हुआ है जिसके असे भाने मध्य में परिषद बहुत ही पत्रक

म्प में माधने आ छे है आर कॉन्स और दिले के पंपापन और कार्यक्रम

को अध्यक्षता कर रहे मुठरी तिवारी जो

ने कात पर्याकरण को हानि पहुंचाने मे

कहीं मुख्य पड रहा है से कही बाह आ

रही है। पेड़ कम होने के कारण गर्म

दिल्ली